



Media Activity Report

Samridh Dhan 2.0

Discussion on the Proposed DSR Scale-Up Plan 2025



Submitted on Thursday,
8th March 2025 by



Activity Synopsis

To position *Samriddh Dhan 2.0 DSR Vision 2025*, led by The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR), as a landmark initiative in sustainable agriculture, highlighting its impact on Direct Seeded Rice (DSR) adoption, stakeholder collaboration, and the future roadmap for Uttar Pradesh.

The strategic PR campaign, executed by The Publicist in collaboration with UPCAR, successfully positioned *Samriddh Dhan 2.0 DSR Vision 2025* as a pivotal initiative in sustainable agriculture, reinforcing its role in advancing DSR adoption and setting a progressive roadmap for the Kharif season 2025. The extensive media engagement ensured widespread visibility across national, regional, and industry-specific platforms, strengthening the program's credibility and outreach.

Following is the detailed media coverage report:

S.no.	Date	Publication	Edition (Print / Web)
1.	06.03.25	Hindustan	धानकीसीधीबुआईकीतकनीकअपनानेकेलिएरोडमैपतैयारकरेगी
2.	06.03.25	UNI Varta	प्रदेशमेंखरीफसीजनमेंएकलाखहेक्टेयरतकडीएसआरसेधानकी
3.	06.03.25	UNI Varta	प्रदेशमेंखरीफसीजनमेंएकलाखहेक्टेयरतकडीएसआरसेधानकी



4.	06.03.25	Prakhar Khabar	कमपानीमेंधानकीखेतीकेलिए 'उपकार' नेकिसानोंकोडीडीएसआरकीजानकारी
5.	06.03.25	Desh Pratidin	समृद्धिधान 2.0 – उपकारऔरयूपीएक्सेलेरेटरप्रगतिडाइव, डीएसआरका 2025 तक 100,000 हेक्टेयरतकविस्तारकालक्ष्य
6.	06.03.25	TV India Live News	Samridh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
7.	06.03.25	TV India Live News	The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR)
8.	06.03.25	APN News	UPCAR to Host High-Level Discussion on Scaling Direct Seeded Rice under Samridhi Dhan 2.0
9.	06.03.25	India News Hindi	समृद्धिधान 2.0 उपकारव UP एक्सेलेरेटरप्रगतिडाइव DSR का 2025 तक 1 लाखहेक्टेयरविस्तारकालक्ष्य।
10.	06.03.25	AIN News	बुन्देलखण्डकोडीएसआरकेलिएनयेक्षेत्रकेरूपमेंजलवायुपरिवर्तनकेपरिपेक्ष्यमेंचिन्हितकियागया
11.	06.03.25	Desh Pratidin News	समृद्धिधान 2.0, उपकारऔरयूपीएक्सेलेरेटरप्रगतिडाइव, DSR का 100,000 हेक्टेयरतकविस्तारकालक्ष्य
12.	06.03.25	MY City News	उपकार और यूपीएक्सेलेरेटरप्रगतिडाइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य
13.	06.03.25	Suryoday Bharat	उपकारऔरयूपीएक्सीलेरेटरप्रोग्रामवर्ष 2025, खरीफकीधानबुवाईरोडमैपहेतुउच्च-स्तरीयबैठकआयोजित
14.	06.03.25	Telescope Today	समृद्धिधान2.0 :डीएसआरका 2025 तकएकलाखहेक्टेयरतकविस्तारकालक्ष्य
15.	06.03.25	Anaadi Tv	Lucknow :समृद्धिधान 2.0 डीएसआरविजन 2025, सीडेडराइसडीएसआर के विस्तार पर चर्चा
16.	06.03.25	Top Portal News	Samridh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
17.	07.03.25	India News Live	समृद्धिधान 2.0 – उपकारऔरयूपीएक्सेलेरेटरप्रगतिडाइव, डीएसआरका 2025 तक 100,000 हेक्टेयरतकविस्तारकालक्ष्य
18.	07.03.25	Varta Partal	समृद्धिधान 2.0 – उपकारऔरयूपीएक्सेलेरेटरप्रगतिडाइव, डीएसआरका 2025 तक 100,000 हेक्टेयरतकविस्तारकालक्ष्य
19.	07.03.25	News Desk Jagran	समृद्धिधान 2.0 – उपकारऔरयूपीएक्सेलेरेटरप्रगतिडाइव, डीएसआरका 2025 तक 100,000 हेक्टेयरतकविस्तारकालक्ष्य



20.	07.03.25	The Bharat Insider	Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
21.	07.03.25	Business News This week	Samriddh Dhan 2.0: UPCAR & Pragati to Scale DSR to 100,000 Ha by 2025
22.	07.03.25	Biz News Desk	Samriddh Dhan 2.0: UPCAR & UP Accelerator Pragati to Expand DSR to 100,000 Ha by 2025
23.	07.03.25	Online Media café	UPCAR & Pragati Launch Samriddh Dhan 2.0 to Expand DSR Reach
24.	07.03.25	Media Bulletins	UPCAR & Pragati Launch Samriddh Dhan 2.0 to Expand DSR Reach
25.	07.03.25	Biz News Daily	Samriddh Dhan 2.0: Boosting DSR Growth with UPCAR & Pragati
26.	07.03.25	Content Media Solution	UPCAR & Pragati Partner to Expand DSR to 100,000 Ha Under Samriddh Dhan 2.0
27.	07.03.25	Green TV	आमको दहिया कीट से कैसे बचाएं ? Kisan Bulletin 07-03-2025
28.	07.03.25	Top Portal News	Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
29.	07.03.25	OBN News	UPCAR & Pragati to Scale DSR to 100,000 Ha by 2025
30.	07.03.25	Amar Ujala	Print Direct sowing of paddy is necessary for environmental protection
31.	07.03.25	Dainik Bhaskar	Print Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
32.	07.03.25	Hindustan	Print A roadmap will be made for direct sowing of paddy
33.	07.03.25	Rashtriya Sahara	Print Bundelkhand marked as new region
34.	07.03.25	Aaj	Print High level discussions hosted under UPCAR



			Samriddh Dhan 2.0
35.	07.03.25	Voice of Lucknow	Print DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
36.	07.03.25	SpashtAwaaz	Print Samriddh Dhan 2.0: UPCAR aims to expand to 100,00 hectares by 2025
37.	07.03.25	United Bharat	Print Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
38.	07.03.25	Anant Varta	Print High level discussions hosted under UPCAR Samriddh Dhan 2.0
	07.03.25	Kanwhizz Times	Print Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
39.	07.03.25	MY City	Print Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
40.	07.03.25	Avadhnama	Print Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
41.	07.03.25	Jan Madhyam	Print Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
42.	07.03.25	Garg Times	Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
43.	07.03.25	Anubhav India	Print Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator



			Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
44.	07.03.25	Jansandesh Times	Print DSR aims to expand to 100,00 hectares by 2025
45.	07.03.25	Desh Pratidin	Print Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025
46.	07.03.25	Lucknow News	Print UPCAR & UP Accelerator host samriddh Dhan 2.0 to expand DSR cultivation



Publication	Hindustan
DATE	06.03.2025
Edition	Online

धान की सीधी बुआई की तकनीक अपनाने के लिए रोडमैप तैयार करेगी सरकार

Lucknow News - लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। प्रदेश में धान की सीधी बुआई (डीएसआर) के उपकार और यूपी एक्सीलेरेटर

Newsrap • हिन्दुस्तान, लखनऊ

Thu, 6 March 2025 08:51 PM

 Share

 
Follow Us on

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता प्रदेश में धान की सीधी बुआई (डीएसआर) के उपकार और यूपी एक्सीलेरेटर प्रोग्राम रोडमैप तैयार करेगा। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) एवं यूपी एक्सीलेरेटर प्रोग्राम ने गुरुवार को इस संबंध में एक उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें वर्ष 2025 की खरीफ में धान की सीधी बुआई की रणनीति पर विचार किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य शोध संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और निजी क्षेत्र के भागीदारों के बीच सहयोग को सशक्त बनाना था, जिससे उत्तर प्रदेश में डीएसआर की पहुंच और प्रभाव को बढ़ाया जा सके।

Publication	Varta
DATE	06.03.2025
Edition	Online

प्रदेश में खरीफ सीजन में एक लाख हेक्टेयर तक डीएसआर से धान की खेती



लखनऊ, 06 मार्च, (वार्ता) उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 में प्रदेश में खरीफ सीजन में एक लाख हेक्टेयर तक डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के माध्यम से धान की खेती का लक्ष्य तय किया है।

उपकार समृद्ध धान 2.0 पहल के तहत डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) स्केल-अप प्लान 2025 पर गुरुवार को यहां आयोजित एक उच्च स्तरीय चर्चा के दौरान यह जानकारी दी गयी। इसमें उत्तर प्रदेश में

डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है।

विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।



Publication	Varta
DATE	06.03.2025
Edition	Online

विज्ञान

Posted at: Mar 6 2025 8:37PM

प्रदेश में खरीफ सीजन में एक लाख हेक्टेयर तक डीएसआर से धान की खेती

लखनऊ, 06 मार्च, (वार्ता) उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 में प्रदेश में खरीफ सीजन में एक लाख हेक्टेयर तक डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के माध्यम से धान की खेती का लक्ष्य तय किया है।

उपकार समृद्ध धान 2.0 पहल के तहत डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) स्केल-अप प्लान 2025 पर गुरुवार को यहां आयोजित एक उच्च स्तरीय चर्चा के दौरान यह जानकारी दी गयी। इसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है।

विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।

Publication	Prakhar Khabar
DATE	06.03.2025
Edition	Online

कम पानी में धान की खेती के लिए 'उपकार' ने किसानों को दी डीएसआर की जानकारी

प्रकाश : 06 मार्च 2025



देश में भूजल का घटता स्तर और सिंचाई के साधनों का अभाव धान की खेती करने वाले किसानों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन चुका है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों की इस समस्या का समाधान डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के रूप में पेश किया है। इस तकनीक में धान की खेती के लिए खेत में पानी भर कर पौध रोपने की पारंपरिक विधि के मुकाबले काफी कम पानी का इस्तेमाल होता है, जिससे किसानों की लागत में भी कमी आती है। उत्तर प्रदेश में डीएसआर को बढ़ावा देने का बीड़ा उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) ने उठाया है।

अपनी इसी कवायद के तहत उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलरेटर प्रगति कार्यक्रम ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें क्षेत्रीय किसानों को डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश में डीएसआर को बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों के साथ चर्चा करते हुए जल संकट से जूझ रहे बुन्देलखण्ड को डीएसआर को बढ़ावा देने के लिए नये क्षेत्र के रूप में चुना गया।

इसमें बताया गया कि 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के बाद अब 2025 में इसे 100,000 हेक्टेयर तक पहुंचाना है। इसी के मद्देनजर इस कार्यक्रम का आयोजन चुनौतियों पर चर्चा करने और प्रगति की समीक्षा करने के लिए किया गया है। ताकि यूपी में डीएसआर के विकास के लिए एक मजबूत मंच मुहैया कराया जा सके। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है।

Publication	Desh Pratidin
DATE	06.03.2025
Edition	Online



समृद्धिधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

DPNEWS-Admin © March 6, 2025 टॉप न्यूज़ Leave a comment 6 Views

समृद्धिधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

Publication	TV India Live
DATE	06.03.2025
Edition	Online

State : Uttar Pradesh

Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025

tvindia live March 6, 2025



- Bundelkhand has been identified as a new area for DSR in the context of climate change.

TIL Desk Lucknow: The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 DSR Vision 2025, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in Uttar Pradesh. With DSR cultivation reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a platform to review progress, discuss challenges, and chart a course for sustainable growth, aiming to cover 100,000 hectares by 2025.



Publication	TV India Live (Instagram)
DATE	06.03.2025
Edition	Online



Publication	APN
DATE	06.03.2025
Edition	Online

UPCAR to Host High-Level Discussion on Scaling Direct Seeded Rice under Samridhi Dhan 2.0

by NS — March 6, 2025 in Agriculture 0

0 88

SARAS, 03/06

Share on Facebook

Share on Twitter

0

0



Lucknow : The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) is set to host a high-level discussion on the Direct Seeded Rice (DSR) Scale-up Plan 2025 under the Samridhi Dhan 2.0 initiative. The event will take place on Thursday, March 6, 2025, from 11:00 AM to 1:45 PM at the UPCAR Office Auditorium, Govt Garden, Nainbagh, Lucknow, bringing together key stakeholders, including representatives from the World Bank, academia, State Agricultural Universities (SAUs), Krishi Vigyan Kendras (KVKs), FPOs, Private companies and relevant institutes.

The discussion aims to review the successes and lessons from the Kharif 2024 DSR implementation and identify strategic interventions to scale up DSR adoption in the coming seasons. Participants will focus on defining the roles of SAUs, KVKs, extension networks, and private partners in ensuring a structured expansion of DSR across the state. Additionally, the event will explore forward-looking approaches such as micro-irrigation, carbon credits, insurance models, and regenerative farming practices through on-ground demonstrations. A key aspect of the discussion will be identifying mechanisms to increase the area under pulses post-paddy cultivation, promoting diversified and sustainable farming systems that enhance soil health and farmer incomes.

Emphasizing the importance of collaborative efforts, Dr. Sanjay Singh, Director General, UPCAR, said, "UPCAR remains committed to promoting sustainable and climate-resilient agricultural practices in Uttar Pradesh. Direct Seeded Rice (DSR) technology is a crucial step toward efficient water management, reducing carbon emissions, and improving farm productivity. An integrated approach involving government agencies, research institutions, and private partners is essential to effectively scale this initiative through policy support, capacity building, and technological innovations. We invite all stakeholders, including policymakers and industry representatives, to actively participate in shaping the future of sustainable rice cultivation in the region."



Publication	India News Hindi
DATE	06.03.2025
Edition	Online





Publication	AIN News
DATE	06.03.2025
Edition	Online





Publication	DESHPRATIDIN NEWS
DATE	07.03.2025
Edition	Online

UPCAR समृद्धि धन 2.0 के तहत उच्च स्तरीय चर्चाओं की मेजबानी करेगा

लखनऊ, उत्तर प्रदेश



Contact us - News, YouTube Videos And Advertisements

समृद्धि धन 2.0, उपकार और यूपी एक्सेलरेटर प्रगति, DSR का 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

1 view · 7 Mar 2025

समृद्धि धन 2.0 - उपकार और यूपी एक्सेलरेटर प्रगति, DSR का 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

लखनऊ को उपकार के लिए यूपी डी के अंत में बसाया जा रहा है और इसे डी के अंत में विनिर्देशित किया गया।

देव लखनऊ

Publication	MY City
DATE	07.03.2025
Edition	Online

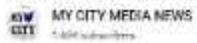
लखनऊ


 हर शहर की हर खबर...



▶ U.P.C.A.R. समृद्धि धन 2.0 के तहत उच्च स्तरीय चर्चाओं की मेजबानी करेगा

उपकार और एपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, एएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य


Subscribe

👍 👎 🗨️ 📄 📥 📌 ⋮

2 views, 3 hours ago

• बुधवार को एएसआर के निरवधि क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ एक्सेलेरेटर के परिपक्व में विभिन्न किसानों ने:

लखनऊ, 6 मार्च 2025 - उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकाप) और एपी एक्सेलेरेटर प्राप्ति कार्यक्रम ने समृद्ध धन 2.0 एएसआर विजन 2025 की समालोचक बैठक की, जिसमें उत्तर प्रदेश में जलसंधि संकेत राज्य (एएसआर) के बड़े पैमाने पर विकास की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख विभागों की एक साथ लाया गया। 2014 में एएसआर की सीमा 60,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्राप्ति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सा...

Publication	Suryoday Bharat
DATE	06.03.2025
Edition	Online

उपकार और यूपी एक्सीलेरेटर प्रोग्राम वर्ष 2025, खरीफ की धान बुवाई रोडमैप हेतु उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित

© March 6, 2025



सूर्योदय भारत समाचार सेवा, लखनऊ : उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) ने विश्व बैंक के यूपी एक्सीलेरेटर प्रोग्राम के सहयोग से उत्तर प्रदेश में धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) को बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप विकसित करने हेतु एक उच्च-स्तरीय हितधारक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक की अध्यक्षता उपकार के महानिदेशक डा. संजय सिंह ने की, जिसमें नीति-निर्माताओं, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रों, निजी क्षेत्र के भागीदारों, एफपीओ प्रतिनिधियों, प्रगतिशील किसानों और विभिन्न संस्थानों के अग्रणी विशेषज्ञों ने भाग लिया।

Publication	Telescope Today
DATE	06.03.2025
Edition	Online



समृद्धिधान 2.0 : डीएसआर का 2025 तक एक लाख हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

Telescope Today March 6, 2025

• बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में किया गया चिन्हित

लखनऊ (टेलीस्कोप टुडे संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्धि धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की। जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडिड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है।

Publication	Anaadi TV
DATE	06.03.2025
Edition	Online

सीडेड राइस डीएसआर के विस्तार पर चर्चा

बसपा, जसदल



9:19 PM



BREAKING NEWS

यैतूल

भूमिगत कोयला खदान में हादसा

डा.ऑर्थो:7 @ Madhuram Height 2BHK Flat, starting

Lucknow : समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025, सीडेड राइस डीएसआर के विस्तार पर चर्चा | Anaadi Tv



Anaadi TV
27K subscribers

Subscribe

Share Download Save

4 views 14 hours ago AnaadiTV AnaadiTV AnaadiTV
 लखनऊ में जलन प्रदेश के मुख्यमंत्री योगेश्वर प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री नारायण धीरेंद्र यादव के नेतृत्व में समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की राज्यस्तरीय बैठक में चर्चा की गई। जिसमें जलन प्रदेश में डीएसआर को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि सरकार इस योजना को सफल बनाने के लिए सभी संश्लेषकों को एकजुट करने और जलन प्रदेश के लिए एक नया चेहरा बनाने के लिए एक टीम के रूप में काम करेगी। डीएसआर का लक्ष्य 2025 तक 5 लाख हेक्टेयर को सफल बनाना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री यादव ने डीएसआर के लिए एक टीम के रूप में निर्देश दिए। सभी संश्लेषकों को एकजुट करने के लिए कहा गया।

Publication	Top Portal News
DATE	06.03.2025
Edition	Online

Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025

By [Dr. Anurag Kumar](#) | [View](#)



■ *Bundelkhand has been identified as a new area for DSR in the context of climate change*

New Delhi, 6-March 2025



The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been





Publication	India News Line
DATE	07.03.2025
Edition	Online

समृद्धिधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

© 9 hours ago · 📍 · 📺 1 minute level



- बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नए क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिह्नित किया गया।

हासनजुग, 6 मार्च 2025 - उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उत्पराण) और यूएन एक्सप्लोरर प्राति कार्यक्रम में समूह तान २०१८ ईश्वरभार मिशन २०२३ की सफलतापूर्वक मेजबानी की। जिसमें उत्तर प्रदेश में लागू हो रहे सीटोह राइस (सीएसआय) के बारे में जानकारी पर विस्तार की रचनाति बनाये के लिए प्रमुख नेताओं का एक साथ ताजा गया। २०२४ में ईश्वरभार की खेती ६०,००० हेक्टेयर तक बढ़ने के साथ, यह आशा है प्राति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा



Publication	Varta Portal
DATE	07.03.2025
Edition	Online

Home » कृषि समाचार » समृद्धिधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025...

कृषि समाचार टुडै

समृद्धिधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

By Vaibhav Awasthi 7 March 2025

8 0

Share



समृद्धिधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

- बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया।

लखनऊ, 6 मार्च 2025 – उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्धि धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया।

Publication	News Desk Jagran
DATE	07.03.2025
Edition	Online

समृद्धिधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य



News Desk Jagran

All Post



समृद्धिधान 2.0 – उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

- बुचेलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया।

लखनऊ, 6 मार्च 2025 – उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्धिधान 2.0 डीएसआर दिनांक 2025 की सकलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में ड्राफ्टिंग मीडिया राइस (डीएसआर) के बारे में नए पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की गैली 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह कार्यक्रम प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक संघ के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर की कवर करण है। इस अवसर पर बुचेलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया।





Publication	The Bharat Insider
DATE	07.03.2025
Edition	Online

Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025

March 7, 2025 - 12:04 pm

Samriddh Dhan 2.0: UPCAR and UP Accelerator Pragati to Drive DSR Expansion to 100,000 Hectares by 2025

- Bundelkhand has been identified as a new area for DSR in the context of climate change.



Lucknow, 6th March 2025 – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 DSR Vision 2025, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in Uttar Pradesh. With DSR cultivation reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a platform to review progress, discuss challenges, and chart a course for sustainable growth, aiming to cover 100,000 hectares by 2025. In this event Bundelkhand has been identified as a new area for DSR in the context of climate change.

Over the past year, 150+ field-level trials reinforced the benefits of DSR, enhancing farmer confidence in the method's effectiveness. Experts highlighted the importance of timely access to quality seeds, mechanization support, and essential inputs to sustain and accelerate adoption. Discussions also emphasized the integration of carbon credit markets, crop insurance, and micro-irrigation as key enablers for long-term sustainability. Additionally, post-paddy crop diversification, particularly increasing pulse cultivation, was underscored as a strategy to improve soil nutrition and enhance farmer profitability.



Publication	Business News This Week
DATE	07.03.2025
Edition	Online

Samriddh Dhan 2.0: UPCAR & Pragati to Scale DSR to 100,000 Ha by 2025

March 7, 2025 Rekha Nair Business 0



Mr Sanjay Singh DG ICAR speaking at The Samriddh Dhan 2.0

New Delhi, 7th March 2025 – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.



Publication	Biz News Desk
DATE	07.03.2025
Edition	Online

BUSINESS

Samriddh Dhan 2.0: UPCAR & UP Accelerator Pragati to Expand DSR to 100,000 Ha by 2025

 **REKHA NAIR**  **4 HOURS AGO**

Share



Mr Sanjay Singh DG ICAR speaking at The Samriddh Dhan 2.0



New Delhi, 7th March 2025 – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.



Publication	Online Media Café
DATE	07.03.2025
Edition	Online

UPCAR & Pragati Launch Samriddh Dhan 2.0 to Expand DSR Reach

March 7, 2025

Read More



Mr Sanjay Singh DG ICAR speaking at The Samriddh Dhan 2.0

New Delhi, 7th March 2025 - The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 - DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.

Over the past year, 150+ field-level trials reinforced the benefits of DSR, enhancing farmer confidence in the method's effectiveness. Experts highlighted the importance of timely access to quality seeds, mechanization support, and essential inputs to sustain and accelerate adoption. Discussions also emphasized the integration of carbon credit markets, crop insurance, and micro-irrigation as key enablers for long-term sustainability. Additionally, post-paddy crop diversification, particularly increasing pulse cultivation, was underscored as a strategy to improve soil nutrition and enhance farmer profitability.

Moving forward, the UP Accelerator Program will strengthen district-level advisories and best-practice documentation, ensuring farmers receive clear and actionable guidance. A unified approach, aligning SALTs, extension networks, private partners, and farmer organizations, will streamline efforts and drive large-scale adoption. The roadmap also includes scaling sustainable practices, such as biochar application, regenerative agriculture, and climate-smart innovations, to create a resilient and economically viable agricultural ecosystem.

Publication	Media Bulletins
DATE	07.03.2025
Edition	Online

Business

UPCAR & Pragati Launch Samriddh Dhan 2.0 to Expand DSR Reach

🕒 March 7, 2025



Mr Sanjay Singh DG ICAR speaking at The Samriddh Dhan 2.0

New Delhi, 7th March 2025 - The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.

Over the past year, 150+ field-level trials reinforced the benefits of DSR, enhancing farmer confidence in the method's effectiveness. Experts highlighted the importance of timely access to quality seeds, mechanization support, and essential inputs to sustain and accelerate adoption. Discussions also emphasized the integration of carbon credit markets, crop insurance, and micro-irrigation as key enablers for long-term sustainability. Additionally, post-paddy crop diversification, particularly increasing pulse cultivation, was underscored as a strategy to improve soil nutrition and enhance farmer profitability.

Moving forward, the UP-Accelerator Program will strengthen district-level advisories and best-practice documentation, ensuring farmers receive clear and actionable guidance. A unified approach, aligning SAUs, extension networks, private partners, and farmer organizations, will streamline efforts and drive large-scale adoption. The roadmap also includes scaling sustainable practices, such as biochar application, regenerative agriculture, and climate-smart innovations, to create a resilient and economically viable agricultural ecosystem.



Publication	Biz News Daily
DATE	07.03.2025
Edition	Online

Samriddh Dhan 2.0: Boosting DSR Growth with UPCAR & Pragati

BY REKHA | MARCH 7, 2025

📌 BUSINESS 💬 LEAVE A COMMENT

New Delhi, 7th March 2025 – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.

Over the past year, 150+ field-level trials reinforced the benefits of DSR, enhancing farmer confidence in the method's effectiveness. Experts highlighted the importance of timely access to quality seeds, mechanization support, and essential inputs to sustain and accelerate adoption. Discussions also emphasized the integration of carbon credit markets, crop insurance, and micro-irrigation as key enablers for long-term sustainability. Additionally, post-paddy crop diversification, particularly increasing pulse cultivation, was underscored as a strategy to improve soil nutrition and enhance farmer profitability.

Moving forward, the UP-Accelerator Program will strengthen district-level advisories and best-practice documentation, ensuring farmers receive clear and actionable guidance. A unified approach, aligning SAUs, extension networks, private partners, and farmer organizations, will streamline efforts and drive large-scale adoption. The roadmap also includes scaling sustainable practices, such as biochar application, regenerative agriculture, and climate-smart innovations, to create a resilient and economically viable agricultural ecosystem.

Publication	Content Media solution
DATE	07.03.2025
Edition	Online

UPCAR & Pragati Partner to Expand DSR to 100,000 Ha Under Samriddh Dhan 2.0

March 7, 2025 Business



Mr Sanjay Singh DG ICAR speaking at The Samriddh Dhan 2.0

New Delhi, 7th March 2025 – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.

Over the past year, 150+ field-level trials reinforced the benefits of DSR, enhancing farmer confidence in the method's effectiveness. Experts highlighted the importance of timely access to quality seeds, mechanization support, and essential inputs to sustain and accelerate adoption. Discussions also emphasized the integration of carbon credit markets, crop insurance, and micro-irrigation as key enablers for long-term sustainability. Additionally, post-paddy crop diversification, particularly increasing pulse cultivation, was underscored as a strategy to improve soil nutrition and enhance farmer profitability.



Publication	GreenTV
DATE	07.03.2025
Edition	Online



Anjali Mishra

आम को दहीया कीट से कैसे बचाएं ? Kisan Bulletin | 07-03-2025

 Green TV India [Join](#) [Subscribe](#) 11 [Share](#) [Download](#) [Thanks](#) [Save](#)

296 views · Streamed live 18 hours ago
कृषिदाता के द्वारा ये वृक्ष, गहूँ की 18 प्रजाति, काला गहूँ

किरासपुर में खेत में काम कर रहे किसान पर बगल में किया हमला, अनायास में भाई
एपी में कार्य में दूधे किसान ने ली मुसलक, पुलिस ने पकड़ पर डी किया केस दर्ज



Publication	OBN News
DATE	07.03.2025
Edition	Online

UPCAR & Pragati to Scale DSR to 100,000 Ha by 2025

Tezzbuzz | 07/03/2025 17:24:11

Mr sanjay singh dg icar speaking at the sammridh dhan 2.0

New Delhi, 7th March 2025 – The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 – DSR Vision 2025 in Lucknow, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in the state. With DSR cultivation already reaching 80,000 hectares in 2024, the event served as a crucial platform to review progress, address challenges, and outline a roadmap for sustainable growth, targeting 100,000 hectares by 2025. In light of climate change, Bundelkhand has been identified as a new focus area for DSR, highlighting its potential for water-efficient and climate-resilient rice farming.





Publication	Top Portal News(X)
DATE	07.03.2025
Edition	Online





Publication	Amar Ujala
DATE	07.03.2025
PG No.	04
Edition	Lucknow

धान की सीधी बोआई पर्यावरण हित में जरूरी

लखनऊ। डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) यानी धान की सीधी बोआई उन्नत और जलवायु फ्रेंडली तरीका है। प्रदेश में इसकी बोआई, प्रोत्साहन व इससे संबंधित अन्य विषयों के लिए उप्र कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) ने कृषि विभाग के अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर बृहस्पतिवार को बैठक की।

यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने धान की सीधी बोआई के पर्यावरण व आर्थिकी पर होने वाले फायदों पर चर्चा की। कहा, डीएसआर न केवल पानी बचाता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। आलमबाग स्थित राजकीय उद्यान के सभागार यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम के तहत डीएसआर विजन 2025 की समीक्षा भी की गई।

जल संसाधन समूह के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य, यूपीसीएआर के उप महानिदेशक डॉ. संजीव कुमार, डॉ. अंजलि पारसनिस आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

Publication	Dainik Bhaskar
DATE	07.03.2025
PG No.	11
Edition	Lucknow

समृद्धिधान 2.0-उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में



डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया।



Publication	Hindustan
DATE	07.03.2025
PG No.	09
Edition	Lucknow

धान की सीधी बुवाई के लिए बनाया जाएगा रोडमैप

लखनऊ। धान की सीधी बुवाई को बड़े पैमाने पर अपनाने और इसके लिए एक रणनीतिक रोडमैप विकसित करने के लिए गुरुवार को एक उच्च-स्तरीय बैठक का आयोजन किया। कृषि अनुसंधान परिषद सभागार में आयोजित बैठक में उपकार के महानिदेशक डा. संजय सिंह ने शोध संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और निजी क्षेत्र के भागीदारों के बीच सहयोग को सशक्त बनाने पर जोर दिया।



Publication	Rashtriya Shara
DATE	07.03.2025
PG No.	05
Edition	Lucknow

बुन्देलखण्ड नये क्षेत्र के रूप में चिह्नित

आलमबाग लखनऊ (एसएनबी)। स्थानीय आनंद नगर स्थित राजकीय उद्यान के सभागार में कृषि अनुसंधान परिषद व यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की समीक्षा की गई। आयोजन में प्रगति की समीक्षा करने समेत चर्चाओं पर चर्चा की गयी। आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिह्नित किया गया। इस मौके पर विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों को किसानों तक उचित समय पर पहुंचाने समेत मशीनीकरण सहायता अपना कर गति देने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि एसएयू व केवीके के निजी भागीदारों और किसानों के नेटवर्क के बीच का सहयोग लक्ष्य को प्राप्त करने के सहायक सिद्ध होगा। विश्व बैंक के जल संसाधन समूह के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। उन्होंने कहा कि कार्बन क्रेडिट तंत्र और पुनर्योजी प्रथाओं को एकीकृत कर हम किसानों के लिए दीर्घकालिक आर्थिक लाभ सुनिश्चित कर सकते हैं। इस मौके पर यूपीसीएआर के उप महानिदेशक डॉ. संजीव कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश में डीएसआर का विस्तार हमारे हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



Publication	Aaj
DATE	07.03.2025
PG No.	05
Edition	Lucknow

फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर जोर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने

डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, धान के बाद फसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों की लाभप्रदता बढ़े। यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।

Publication	SpashtAwaaz
DATE	07.03.2025
PG No.	07
Edition	Lucknow

समृद्धधान 2.0 उपकार का 25 तक 100,000 हेक्टेयर विस्तार का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 25 की मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सोडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के



लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्वन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर जोर दिया गया। धान के बाद फसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों की लाभप्रदता बढ़े। यूपी-एक्सेलेरेटर कार्यक्रम आगे बढ़ते हुए जिला-स्तरीय सलाह और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण को मजबूत करेगा, जिससे किसानों को स्पष्ट और कार्रवाई योग्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

एक एकीकृत दृष्टिकोण, एसएयू, विस्तार नेटवर्क, निजी भागीदारों और किसान संगठनों को संरिखित करते हुए प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। रोडमैप में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना शामिल है। यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरिखण ने कहा एसएयू, केबीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।

सूचना



Publication	Voice of Lucknow
DATE	07.03.2025
PG No.	14
Edition	Lucknow

डीएसआर का लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार

लखनऊ । उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है।



Publication	United Bharat
DATE	07.03.2025
PG No.	12
Edition	Lucknow

समृद्धिधान 2.0-उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उत्तर) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्धिधान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की समग्रतापूर्ण योजना बारी, जिसमें उत्तर प्रदेश में डीएसआर सोडेट रडस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की रोज़ी 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुनेटसराइड को डीएसआर के लिए नए क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपक्व में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र सतत परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कर्षक



क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, धान के बाद फसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों की लाभप्रदता बढ़े। यूपी-एक्सेलेरेटर कार्यक्रम अपने बड़े हुए, जिला-स्तरीय सलाह और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण को मजबूत करेगा, जिससे किसानों को स्पष्ट और कार्यवाही योग्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा। एक एकीकृत ट्रैकिंग, एक्जैक्यूटिव, विस्तार नेटवर्क, निजी भागीदारों और किसान समूहों को संरेखित करते हुए, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। रोज़ीय में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना भी शामिल है, जैसे कि नाबोचर अनुप्रयोग, पुनर्बीज कृषि और जलवायु-

स्मार्ट नवाचार, ताकि एक लचीला और अधिक रूप से व्यवहार्य कृषि पर्यावरण तैयार किया जा सके। यूपीएसआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थान संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, एक्जैक्यूटिव, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण और जिला-स्तरीय सलाह ड्राइव समर्पित एक संरचित ढांचा, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। विश्व बैंक के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संरक्षण समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश कंठु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, -डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है। कर्षक क्रेडिट तंत्र और पुनर्बीज प्रथाओं को एकीकृत करके, हम किसानों के लिए दीर्घकालिक अधिक लाभ सुनिश्चित कर सकते हैं। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, यूपीएसआर के उप महानिदेशक, डॉ. संजय कुमार ने जोर देकर कहा, -उत्तर प्रदेश में डीएसआर का विस्तार हमारे हितधारकों को समूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



Publication	Anant Varta
DATE	07.03.2025
PG No.	12
Edition	Lucknow

उपकार समृद्धि धन 2.0 के तहत उच्च स्तरीय चर्चाओं की मेजबानी की

लखनऊ, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) समृद्धि धन 2.0 पहल के तहत डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) स्केल-अप प्लान 2025 पर एक उच्च स्तरीय चर्चा की मेजबानी करने जा रहा है। यह कार्यक्रम गुरुवार, 6 मार्च, 2025 को यूपीसीएआर कार्यालय सभागार, राजकीय उद्यान, आलमबाग, लखनऊ में होगा, जिसमें विश्व बैंक, शिक्षाविदों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू), कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), निजी उद्योग और संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारक एक साथ आएंगे। सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर जोर देते हुए, यूपीसीएआर के महानिदेशक, डॉ. संजय सिंह ने कहा, 'यूपीसीएआर उत्तर प्रदेश में टिकाऊ और जलवायु-लचीली कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) तकनीक कुशल जल प्रबंधन, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और कृषि उत्पादकता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नीतिगत समर्थन, क्षमता निर्माण और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से इस पहल को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए सरकारी एजेंसियों, अनुसंधान संस्थानों और निजी भागीदारों को शामिल करते हुए एक एकीकृत दृष्टिकोण आवश्यक है। हम क्षेत्र में टिकाऊ चावल की खेती के भविष्य को आकार देने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए नीति निर्माताओं और उद्योग प्रतिनिधियों सहित सभी हितधारकों को आमंत्रित करते हैं।' आयोजन के प्राथमिक उद्देश्यों में खरीफ 2024 डीएसआर कार्यान्वयन से सफलताओं और सबक की समीक्षा करना, आगामी सीज़न में डीएसआर को बढ़ाने के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप पर चर्चा करना और एसएयू, केवीके, विस्तार नेटवर्क और निजी भागीदारों की भूमिकाओं को संरेखित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, चर्चा में प्रदर्शनों के माध्यम से सूक्ष्म सिंचाई, कार्बन क्रेडिट, बीमा और पुनर्व्योजी कृषि प्रथाओं जैसे दूरदेशी दृष्टिकोणों का पता लगाया जाएगा।

Publication	Kanwhizz Times
DATE	07.03.2025
PG No.	03
Edition	Lucknow

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने की समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की मेजबानी

कैनwhizz टाइम्स संवाददाता

लखनऊ, कैनwhizz टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 को सम्बलसमृद्धिक योजनाओं की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेट एएस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर निवेश की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख दिशानिर्देशों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आवाहन प्रगति को समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और खास विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक संघ के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड की डीएसआर के लिए नये संघ के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में चिन्तित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया,



जिसमें इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। यूपीएसआर के सहनिर्देशक डॉ. संजय मिश्र ने संसूचित परीक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि एएसए,

केसीसी, निमी धारीदार और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग द्वारा 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वोत्तम उपवास एमबेन्सीकरण और निलो-मशीन फलन

हाल समर्थित एक संरचित ढांचा, प्रणाली को सुदृढ़ीकृत करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। विश्व बैंक के 2030 डबल्यूआरजी (जल संयोजन समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश

बंसु शर्मा ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रधान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डीएसआर ने किसानों को प्रोत्साहित किया है, जिसका रिजल्ट है कि खाद्य तेल की बेहतरीन गुणवत्ता है, जिससे यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन गया है। कार्बन क्रेडिट तंत्र और एमबीसी प्रणाली को एकीकृत करने, हम किसानों के लिए दीर्घकालिक आर्थिक लाभ सुनिश्चित कर सकते हैं। वहीं यूपीएसआर के त्रय सहनिर्देशक डॉ. संजय कुमार ने जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश में डीएसआर का विस्तार हमारे हितधारकों की समूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अभी बड़े तुर, हम इस गति को बनाए रखने के लिए ज्ञान-आधारित, समय पर इनपुट उपलब्धता और गतिशीलता साधनों के माध्यम से किसानों के विकास को प्रोत्साहित करना होगा। चर्चा में शामिल होने हुए डॉ. अरुण धारमसिंह, लखनौ के प्रमुख, 2030 डबल्यूआरजी (जल संयोजन समूह), विश्व बैंक ने मिश्रित सुनिश्चित करने में रीति और नवाचार की भूमिका पर जोर दिया।



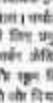
Publication	My City
DATE	07.03.2025
PG No.	12
Edition	Lucknow

**समृद्धिधान 2.0 उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव,
डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य**

बुन्देलखण्ड को डीएमआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्तित किया गया

[illegible]

कीली तक समय पर पहुंचे, भारतीयकनसुलराताऔअजयदेवीको बाराह गडदे तथा एति देवे की विजय



असमक कुमुदुत की कृष्ण पर प्रसन्न हो गये। चर्चकले वैधानिकाक विधेता के विजय अनुष्ठान प्रवर्तनके के समय मे चर्चकले जेडिड अरुआरी कनसल शैलाम और कृष्ण विमार्श के एकीकरण पर भी एते विचार गये। एतकले जेडिडिड, प्रमो के धार कनसल विधिशासन, विधेय समय मे एतकले जी शैली की बड़ने पर एते विचार गये, एति मुद्रा प्रमाण के सुधार हो एते विचारले की

अवसान परमेश्वर को समझना
कोन, जिससे विचारों को बन्द
कराई। और मनोहर प्रकाश होना।
एक एककुल सुखिकों, दामोदर,
विष्णु नेटवर्क, निजि करीबानों की
विचार, संसारों की शक्ति, कल
हु, जगमो को सुखिकों के मनो
की वैधान पर जगमो को बहाना
है। वैधान में विचार, जगमो को
बहाना देना ही शक्ति है। उसे कि

राष्ट्रपिता अन्नपूर्णा, मुगलौरी की कुटीरों का वास्तव्य-आरंभ नवम्बर, तबसे एक लक्षौत की आर्थिक रूप से



आवाहनमें प्रतिनिधियों ने तब बंगाल का आर्थिक सुदृढीकरण के लक्ष्यपेक्षा की, अन्तर्गत मिल ने संस्कृति को संरक्षित के प्रत्येक को प्रेरित करने वाले कुछ प्रसारण, के दौरान निम्न प्रकारोंवाली विचारणा नेतृत्व के बीच सम्पन्न हुआ। 2025 में स्वयं को प्रत्येक कार्य के लिए लक्ष्यपूर्ण है। सर्वप्रथम अन्नपूर्णा दस्तावेजीकरण और विचार-वार्ता काव्य द्वारा संचालित एक कार्यक्रम

[illegible][illegible]

Publication	Avadhnama
DATE	07.03.2025
PG No.	12
Edition	Lucknow

समृद्धिधान 2.0 उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उमकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्धिधान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडिड रहस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह अभियान प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र सार्वभौम परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया,

जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों



ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, धान के बाद फसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों की लाभप्रदता

को। यूपी-एक्सेलेरेटर कार्यक्रम आगे बढ़ते हुए, जिला-स्तरीय सलाह और

सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण को मजबूत करेगा, जिससे किसानों को स्पष्ट और कार्रवाई योग्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा। एक एकीकृत टूलकिट, एसरयू, विस्तार नेटवर्क, निजी भागीदारों और किसान संगठनों को संरेखित करते हुए, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। रोडमैप में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना भी शामिल है, जैसे कि बायोचार् अनुप्रयोग, पुनर्योजी कृषि और जलवायु-स्मार्ट नवाचार, ताकि एक लचीला और आर्थिक रूप से व्यवहार्य

कृषि परिस्थितिको तंत्र बनाया जा सके। यूपीएसआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरचना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, एसरयू, केवैके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।

सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण और जिला-स्तरीय सलाह द्वारा समर्थित एक संरचित ढांचा, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। विश्व बैंक के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यपक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है।

Publication	Janmadhayam
DATE	07.03.2025
PG No.	08
Edition	Lucknow

समृद्धिधान 2.0- उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्धिधान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में ड्राइवेट सीडेड एड्स (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह अग्रगण्य प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में कुन्हेलखण्ड को डीएसआर के लिए नई क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया।

पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परिश्रमों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने



तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, धान के बाद फसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों को लाभप्रदता बढ़े। (यूपी-एक्सेलेरेटर कार्यक्रम आगे बढ़ते हुए, जिला-स्तरीय सलाह और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण को मजबूत करेगा, जिससे किसानों को स्पष्ट और कारगर योग्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा। एक एकीकृत टूल्किंग, एमएसयू, विस्तार नेटवर्क, निजी भागीदारों और किसान संगठनों को संरचित करते हुए, प्रवासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा।

रोडमैप में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना भी शामिल है, जैसे कि बायोचार् अनुप्रयोग, पुनर्गोनी कृषि और जलवायु-स्मार्ट नवाचार, ताकि एक लचीला और आर्थिक रूप से व्यवहार्य कृषि पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सके।

यूरोपीय आर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, -एमएसयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण और जिला-स्तरीय सलाह द्वारा समर्थित एक संरचित ढांचा, प्रवासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। -

विश्व बैंक के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह) के राज्य

समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, -डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है। कार्बन क्रेडिट तंत्र और पुनर्गोनी प्रथाओं को एकीकृत करके, हम किसानों के लिए दीर्घकालिक आर्थिक लाभ सुनिश्चित कर सकते हैं। -

प्रातिभागिणी का स्वागत करते हुए, यूरोपीय आर के उप महानिदेशक, डॉ. सजीव कुमार ने जोर देकर कहा, -उत्तर प्रदेश में डीएसआर का विस्तार हमारे हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

चर्चा में शामिल होते हुए, डॉ. अंजलि पारमनिस, तकनीकी प्रमुख, 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह), विश्व बैंक, ने स्थिरता सुनिश्चित करने में नीति और नवाचार की भूमिका पर जोर दिया। -किसानों को डीएसआर को पूरी तरह अपनाने के लिए, हमें सही प्रोत्साहन देने की जरूरत है - चाहे वह सूक्ष्म सिंचाई सहायता, बीमा योजनाओं या जैव उर्वरक अनुप्रयोगों के माध्यम से हो।

Publication	Garg Times
DATE	07.03.2025
PG No.	05
Edition	Lucknow

समृद्धिधान 2.0 उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

गर्ग टाइम्स, संवाददाता लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (इपार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्धिधान 2.0 डीएसआर बिजन 2025 की सफलतापूर्वक नेवधानी को, जिसमें उत्तर प्रदेश में डीएसआर सीटेंड मॉडल (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख प्रतिभागियों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की स्पष्टता करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। पिछले वर्ष 150 से



अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिसमें इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक सगप पर पहुंच, यंत्रीकरण, मलबाला और अपनाने की चलाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में

टीचिकाजीलक शिक्षता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्यन कंठित बाबागों, कमल बाग और मुख्य मिर्चाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, धान के बाद कमल विधिभीकरण, विशेष रूप से दलहन की खेती को बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि मृदा पोषण में सुधार हो और किसानों को लाभप्रदता बढ़े। यूपी-

एक्सेलेरेटर कार्यक्रम अग्रे बढ़ते हुए, बिना-स्तरीय मलबाह और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण को परबुत करेगा, जिससे किसानों को स्पष्ट और कार्यवाई योग्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा। एक एकीकृत दृष्टिकोण, एमएसयू, विस्तार नेटवर्क, निजी भागीदारी और किसान संगठनों को संरक्षित करते हुए, प्रचाली को मुख्यधारागत करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को चढ़वा देगा।

विश्व बैंक के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश चणु आर्य ने विवरक कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, डीएसआर ने केवल जल संरक्षण करते हैं, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिसमें यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है।



Publication	Anubhav India
DATE	07.03.2025
PG No.	04
Edition	Lucknow

समृद्धिधान २.० उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का २०२५ तक १००,००० हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य



दुर्गंतलक्षण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में चिन्तित किया गया।

तखनका, ६ मार्च 2025 को उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समुद्र तल 2.0 डीएसआर सिजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडिड राइस (डीएसआर) को बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए समुद्र तल विकास को एक साथ लाया गया।

2024 में डीएसआर की छोटी 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, एक आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सफल विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में दुर्गंतलक्षण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में चिन्तित किया गया।

विशेष रूप से 150 से अधिक क्षेत्र

राष्ट्रीय परीक्षणों ने डीएसआर को लाभों को सुदृढ़ किया, जिसमें इस प्रवृत्ति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है। विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपमानों को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट को महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए समुद्र तल प्रवर्तकों के रूप में कार्यन जोड़ेंड बाजारों, कसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, धान के बाद कसल विविधीकरण, विशेष रूप से दलहन की छोटी पौधों बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि भूदा पोषण में सुधार हो और किसानों की लाभप्रदता बढ़े।

यूपी-एक्सीलेरेटर कार्यक्रम आज बढ़ते हुए, जिला-राष्ट्रीय सलाह और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण को मजबूत करेगा, जिसमें किसानों को स्वयं और कार्रवाई योग्य मार्गदर्शन प्राप्त होगा। एक एकीकृत दृष्टिकोण, एसापू, सिस्तर नेटवर्क, निजी भागीदारों और किसान संगठनों को

संरक्षित करने हुए, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपमानों को बढ़ावा देगा। रोडमैप में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना भी शामिल है, जैसे कि बायोचर अनुप्रयोग, पुनर्वाजी वृषि और जलवायु-स्मार्ट बचाव, ताकि एक लचीला और अधिक रूप से व्यवहार्य वृषि पारिस्थितीकी तंत्र बनाया जा सके। यूपी-एक्सीलेरेटर को महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, 'एसापू, जेडीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क को बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण और जिला-राष्ट्रीय सलाह द्वारा समर्थित एक संरक्षित कार्य, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपमानों को बढ़ावा देगा।'

सिधु बीर के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश शर्मा ने टिकाऊ कृषि के व्यापक अभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'डीएसआर न केवल जल संरक्षण करता है,

बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे एक जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है। कार्यक्रमों के डिजिटल तंत्र और पुनर्वाजी प्रथाओं को एकीकृत करने, इन किसानों को लिए दीर्घकालिक आर्थिक लाभ सुनिश्चित कर सकते हैं।'

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, यूपी-एक्सीलेरेटर के उप महानिदेशक डॉ. संजय कुमार ने जोर देकर कहा, 'उत्तर प्रदेश में डीएसआर का विस्तार हमारे किसानों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आज बढ़ते हुए, हमें इस गति को बनाए रखने के लिए ज्ञान-साझाकरण, समय पर इनपुट उपलब्धता और मशीनीकरण समर्थन के माध्यम से किसानों के विश्वास को मजबूत करना होगा।'

कार्य में शामिल होते हुए, डॉ. अजयि पारसनि, तजनीकी समुद्र, 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह), सिधु बीर, ने स्थिरता सुनिश्चित करने में नीति और बचाव की भूमिका पर जोर दिया। किसानों को डीएसआर को पूरी तरह अपमानों के लिए, हमें सभी डोल्फिन देने की जरूरत है - बाड़े एक सूक्ष्म सिंचाई बहावता, बीमा योजनाओं का जैव उर्वरक अनुप्रयोगों के माध्यम से हो। ये उपाय एक लचीला और अधिक रूप से व्यवहार्य कृषि पारिस्थितीकी तंत्र बनाएंगे।'

इस कार्यक्रम में निजी क्षेत्र के समुद्र, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), राज्य संस्थान, एसापू, विशेषज्ञ, जेडीके, प्रतिनिधि और सरकारी अधिकारी शामिल हुए, जो सफल की छोटी में बचाव और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जैसे-जैसे उत्तर प्रदेश में जलवायु-स्मार्ट और सतत-दुर्गतलक्षण्ड कृषि सैद्धांत की ओर बढ़ रहा है, समुद्र तल 2.0 डीएसआर सिजन 2025 किसान-जेंड्रित, विज्ञान-संचालित समाधानों को सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है जो सफल प्रगति का मार्ग प्रकाश करता है।

Publication	Jansandesh Times
DATE	07.03.2025
PG No.	08
Edition	Lucknow

एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग महत्वपूर्ण: डॉ. संजय सिंह

डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड की डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और



किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण और जिला-स्तरीय सलाह द्वारा समर्थित एक संगठित ढांचा, प्रयासों को सुव्यवस्थित करेगा और बड़े पैमाने पर अपनाने को बढ़ावा देगा। विश्व बैंक के 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह) के राज्य समन्वयक डॉ. योगेश बंधु आर्य ने टिकाऊ कृषि के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, डीएसआर न केवल जल संरक्षण

करता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है, जिससे यह जलवायु-स्मार्ट खेती का एक अनिवार्य घटक बन जाता है। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, यूपीसीएआर के उप महानिदेशक, डॉ. संजीव कुमार ने जोर देकर कहा, उत्तर प्रदेश में डीएसआर का विस्तार हमारे हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आगे बढ़ते हुए, हमें इस गति को बनाए रखने के लिए ज्ञान-साझाकरण, समय पर इनपुट उपलब्धता और मशीनीकरण समर्थन के माध्यम से किसानों के विश्वास को मजबूत करना होगा। चर्चा में शामिल होते हुए, डॉ. अंजलि पारसनिस, तकनीकी प्रमुख, 2030 डब्ल्यूआरजी (जल संसाधन समूह), विश्व बैंक, ने स्थिरता सुनिश्चित करने में नीति और नवाचार की भूमिका पर जोर दिया।

Publication	Desh Pratidin
DATE	07.03.2025
PG No.	04
Edition	Lucknow

समृद्धिधान 2.0 : उपकार और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति ड्राइव, डीएसआर का 2025 तक 100,000 हेक्टेयर तक विस्तार का लक्ष्य

बुन्देलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया

कंस अतिथि
लखनऊ : जल, कृषि

अनुसंधान प्रगति की समीक्षा करने
यूपीएसडी का कार्य और कार्य

सुपुर्ब विभाग, किसानों को प्रगति की
अवसरों के लिए विचार

विचार गया। इससे अतिथि, जल
के बाद कंस अतिथि, किसान

होना। इस एकीकृत सुविधाओं,
एकत्रित, विचार, नए क्षेत्रों, बिना

ने जल के बाद कंस अतिथि, जल
के बाद कंस अतिथि, किसान



होना। इस एकीकृत सुविधाओं,
एकत्रित, विचार, नए क्षेत्रों, बिना

ने जल के बाद कंस अतिथि, जल
के बाद कंस अतिथि, किसान

अनुसंधान प्रगति (उपकरण) और यूपी
एक्सेलेरेटर प्रगति अतिथि ने सुपुर्ब
जल 2.0 एक्सेलेरेटर प्रगति 2025 की
अवसरों के लिए विचार

विचार के लिए एक सत्र, विचार
करने के लिए एक सत्र के रूप में

कंस है। विचारों ने सुपुर्ब विभाग
की, एक सत्र के रूप में सुपुर्ब

जल के बाद कंस अतिथि, जल
के बाद कंस अतिथि, किसान

होना। इस एकीकृत सुविधाओं,
एकत्रित, विचार, नए क्षेत्रों, बिना

ने जल के बाद कंस अतिथि, जल
के बाद कंस अतिथि, किसान

Publication	Lucknow News
DATE	07.03.2025
PG No.	03
Edition	Lucknow

UPCAR & UP ACCELERATOR HOST SAMRIDDH DHAN 2.0 TO EXPAND DSR CULTIVATION

LUCKNOW: The Uttar Pradesh Council of Agricultural Research (UPCAR) and the UP Accelerator Pragati Program successfully hosted Samriddh Dhan 2.0 DSR Vision 2025, bringing together key stakeholders to strategize the large-scale expansion of Direct Seeded Rice (DSR) in Uttar Pradesh. With DSR cultivation reaching 80,000 hectares

in 2024, the event served as a platform to review progress, discuss challenges, and chart a course for sustainable



growth, aiming to cover 100,000 hectares by 2025. In this event Bundelkhand has been identified as a new area for DSR in the context of climate change. Over the past year, 150+ field-level trials reinforced the benefits of DSR, enhancing farmer confidence in the method's effectiveness. Experts highlighted the importance of timely access to quality seeds, mechanization support, and essential inputs to sustain and accelerate adoption. Discussions also emphasized the integration of carbon credit markets, crop insurance, and micro-irrigation as key enablers for long-term sustainability.

Publication	Daily News Activist
DATE	07.03.2025
PG No.	02
Edition	Lucknow

बुंदेलखंड को जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया

लखनऊ (डीएनएन) । उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ



लाया गया । 2024 में डीएसआर की खेती 80000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है । इस आयोजन में बुंदेलखण्ड को डीएसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया । पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है । यूपी-एक्सीलेरेटर कार्यक्रम आगे बढ़ते हुए, जिला-स्तरीय सलाह और सर्वोत्तम अभ्यास दस्तावेजीकरण को मजबूत करेगा । यूपीसीएआर के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने संस्थागत संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, एसएयू, केवीके, निजी भागीदारों और किसान नेटवर्क के बीच सहयोग हमारे 2025 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है ।